

प्रेषक,

आर० मीनाक्षी सुन्दरम्  
सचिव  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
मत्स्य विभाग,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-03 (मत्स्य)

देहरादून: दिनांक 11 जुलाई, 2017

विषय- वित्तीय वर्ष 2017-18 हेतु अनुदान संख्या 28 के अन्तर्गत 2405-मछली पालन, 001-निदेशन तथा प्रशासन, 03-अधिष्ठान योजना में धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-2723/बजट मांग/2017-18, दिनांक 22 जून, 2017 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2017-18 में अनुदान संख्या-28 के अन्तर्गत 2405-मछली पालन, 001-निदेशन तथा प्रशासन की सुसंगत मदों में कुल प्राविधानित धनराशि ₹ 878.35 लाख (₹ आठ करोड़, अठुहत्तर लाख, पैंतीस हजार मात्र) में से पूर्व में ₹ 419.98 लाख की धनराशि अवमुक्त होने के उपरान्त अवशेष धनराशि ₹ 458.37 लाख के सापेक्ष निम्नलिखित वचनबद्ध एवं अवचनबद्ध मदों में ₹ 458.37 लाख (₹ चार करोड़, अठावन लाख, सैंतीस हजार मात्र) की धनराशि निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन आपके निर्वतन पर रखते हुए इसे आहरण कर व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि ₹ हजार में)

क्र० स०	योजना का संक्षिप्त शीर्षक (मानक मद संख्या व मद)	वित्तीय वर्ष 2017-18 में कुल बजट प्राविधान	पूर्व में अवमुक्त धनराशि	वर्तमान में अवमुक्त धनराशि
-1-	-2-	-3-	-4-	-5-
1.	01-वेतन	72000	36000	36000
2.	02-मजदूरी	230	77	153
3.	03-मंहगाई भत्ता	4304	2153	2151
4.	04-यात्रा भत्ता	500	167	333
5.	05-स्थानान्तरण यात्रा भत्ता	200	67	133
6.	06-अन्य भत्ते	5021	1674	3347
7.	07-मानदेय	50	17	33
8.	08-कार्यालय व्यय	500	167	333
9.	09-विद्युत देय	350	117	233
10.	10-जलकर/जलप्रभार	40	13	27
11.	11-लेखन सामग्री	200	67	133
12.	12-कार्यालय फर्नीचर कय	150	50	100

13.	13-टेलीफोन व्यय	120	40	80
14.	15-गाड़ियों का अनुरक्षण	900	300	600
15.	16-व्यावसायिक सेवा	1600	533	1067
16.	17-किराया, उपशुलक	150	50	100
17.	18-प्रकाशन	60	20	40
18.	19-विज्ञापन, विक्री	60	20	40
19.	22-आतिथ्य व्यय	40	13	27
20.	26-मशीनें और सज्जा	200	67	133
21.	27-चिकित्सा प्रतिपूर्ति	600	200	400
22.	29-अनुरक्षण	110	37	73
23.	42-अन्य व्यय (मतदेय)	40	13	27
24.	44-प्रशिक्षण	100	33	67
25.	45-अवकाश यात्रा सुविधा	50	17	33
26.	46-कम्प्यूटर हार्डवेयर व सॉफ्टवेयर	100	33	67
27.	47-कम्प्यूटर अनुरक्षण	160	53	107
	योग	87835	41998	45837

1. धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-610/3(150)XXVII(1)/2017, दिनांक 30.06.2017 एवं सुसंगत शासनादेशों में दिये गये दिशा-निर्देशों एवं प्रतिबन्धों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।
2. धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहाँ कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाए।
3. स्वीकृत धनराशि का उपयोग शासन द्वारा समय-समय पर जारी मितव्ययता संबंधी आदेशों व वित्तीय हस्तपुस्तिका में दिये गये प्राविधानों के अन्तर्गत किया जायेगा।
4. बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अन्तर्गत व्यय की सूचना (कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक) प्रतिमाह की 5 तारीख तक बी0एम0-08 प्रपत्र पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना शासन को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जायेगी।
5. इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित नियमों एवं क्रय संबंधी शासनादेशों का पालन किया जायेगा। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।
6. जो बिल कोषागार को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जायें, उनमें स्पष्टरूप से लेखाशीर्षक के साथ सम्बन्धित अनुदान संख्या का भी उल्लेख अवश्यमेव किया जाय।
7. अवमुक्त की जा रही धनराशि उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण, भौतिक एवं वित्तीय प्रगति शासन को उपलब्ध कराई जायेगी।

8. किसी भी क्रय/विक्रय हेतु प्रोक्योरमेन्ट रूल्स 2008, (समय-समय पर यथा संशोधित) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-01, (वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-05 भाग (लेखा नियम), आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय साथ ही मितव्ययता संबंधी आदेशों, डी.जी.एस.एन.डी. की दरें, टेण्डर/कोटेशन विषयक नियमों के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के दिशा-निर्देशों का भी पूर्णतः अनुपालन किया जाये।

9. किसी भी दशा में एक मद की धनराशि दूसरे मद में व्यय नहीं की जाये अन्यथा की स्थिति में सक्षम अधिकारी का पूर्णतः उत्तरदायित्व होगा, जो बिल को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाय उनमें स्पष्ट रूप से लेखाशीर्षक के साथ संबंधित अनुदान संख्या का भी उल्लेख अवश्यमेव किया जाय।

10. सुनिश्चित किया जाय कि (वित्तीय हस्तपुस्तिका खण्ड-5 भाग-1 के पैरा-162) समस्त आहरित अग्रिमों का समायोजन आहरण-वितरण अधिकारियों द्वारा 30 दिनों के अन्दर कर दिया जाय तथा डीटेल्ड कन्टीजेन्ट (डी0सी0) बिल महालेखाकार को भेज दिये जाय। विभिन्न अग्रिमों का आहरण अधिकारों के प्रतिनिधायन 2010 में दी गयी सीमाओं के अनुसार ही किया जाय।

2- उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 में अनुदान संख्या-28 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2405-मछली पालन-001-निदेशन तथा प्रशासन-03-अधिष्ठान के अन्तर्गत सुसंगत इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग शासनादेश संख्या-610/3(150)XXVII(1)/2017, दिनांक 30.06.2017 में प्रदत्त दिशा-निर्देशों के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

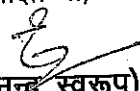
भवदीय,

(आर० मीनाक्षी सुन्दरम)  
सचिव

संख्या-263 (1)/XV-3/2017-08(05)/2016(बजट), तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड़, देहरादून, उत्तराखण्ड।
2. मण्डलायुक्त, कुमाऊँ/गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
3. कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. निजी सचिव, मा0 मंत्री, मत्स्य, उत्तराखण्ड सरकार को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ प्रेषित।
5. वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
6. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. निदेशक, बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, देहरादून।
8. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,  
  
(आनन्द स्वरूप)  
अपर सचिव

